



## AAJ SAMAJ

**इंडक्शन प्रोग्राम में हिंदी दिवस एवं ध्यान पर दो विशेष चर्चा सत्र आयोजित किए**

# संस्कृति ही नहीं अपितु सर्वांगीणता की परिचायक है मातृभाषा हिंदी : दिनेश

### आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बार्होरमसोद, फरीदाबाद के फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज द्वारा पत्रकारिता एवं जनसंचार, विसुअल कम्युनिकेशन एंड मल्टीमीडिया एवं सोशल चर्क के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम में हिंदी दिवस एवं ध्यान पर दो विशेष चर्चा सत्र आयोजित किये गए।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया कि 14 सितंबर को दो विशेष सत्रों का आयोजन किया गया ध्यान और मार्गदर्शक व्याख्यान पर केंद्रित सत्र में विश्वास योग और ध्यान प्रशिक्षक पुनम गुलिया तथा हिंदी दिवस पर आयोजित मीडिया की हिंदी और हिंदी का मीडिया सत्र में वरिष्ठ लेखक और पत्रकार



कार्यक्रम में दिनेश पाठक को स्मृति चिह्न स्वस्व्य पुस्तक भेंट करते हुए।

दिनेश पाठक मुखमन्त्रा के रूप में उपासित रहे। दिन के पहले सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश पाठक और ध्यान प्रशिक्षक पुनम गुलिया ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें शारीरिक और मानसिक दोनों सार पर कार्य करना होगा। यह दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। एक भी स्वास्थ्य अगर

बढ़वढ़ हुआ तो इसका दुष्प्रभाव दूसरे पर साफ दिखाई देता है। वर्तमान समय में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य तब और भी आवश्यक होता है जब हमें कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, उनव्यवस्थापन स्थितियों से निपटना पड़ता है, और अपने अरुण-पुनम के वातावरण में स्वयं को ढालना होता है। इसलिए जरूरी है

कि हम सभी से जुड़े रहें और अपने आप को अलग न समझें, पॉजिटिव सोचें, शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, पर्याप्त नींद लें और समय पर खोजें और समय से जायें, हेल्दी डाइट लें खास कर मूड को बेहतर बनाने वाली चीजों को खोजें तथा व्यायाम और योग करें। हिंदी दिवस पर आयोजित मीडिया की हिंदी और हिंदी का मीडिया सत्र में वरिष्ठ लेखक और पत्रकार दिनेश पाठक ने कहा कि हिंदी और भारतीय संस्कृति का एक अटूट संबंध है। यदि हम इस संबंध को और सशक्त करना चाहते हैं तो हमें मातृभाषा को महत्ता समझनी ही होगी।

उसके महत्व को समझकर ही हम अपनी सभ्यता और संस्कृति के साथ न्याय करने में भी सक्षम हो सकेंगे। वर्तमान मीडिया की वही बखूबी समझती है। निरा नए होने वाले तकनीकी विकास भी हिंदी के बढ़ते बर्धन का इस्तेमाल करते हैं। जितने

सभी वेबसाइट पोर्टल या एप्लीकेशन है वो भी हिंदी को लिखने समझने की तकनीक को अज्ञान कर रहे हैं। लेकिन इस दौर में ये भी आवश्यक है कि मीडिया में परिवर्तन लाने वाले भी भाषा पर अपनी मजबूत फाड़ रखें। हिंदी हम भारतीयों की मातृभाषा है। हिन्दी हमारी, आपकी और हम सब की भाषा है।

बोरमसोद एग्जिट ट्यूट से ज्यूस शर्मा और बच्चा समाजकार्य के स्वायत्तक फलतुओं पर चर्चा करते हुए छात्रों को मौखिक एवं पत्र कल्याण के क्षेत्र अवसरों के बारे में बताया। इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन छात्र कल्याण निदेशालय के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज की डॉन प्रो. पुनम विपल तथा संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के शिक्षक और प्रशिक्षक उपस्थित रहे।



**J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad**

*(formerly YMCA University of Science and Technology)*

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:15.09.2023**

**NAVBHARAT TIMES**

# जेसी बोस में हुई विशेष चर्चा

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार, विजुअल कम्युनिकेशन एंड मल्टीमीडिया एवं सोशल वर्क के विद्यार्थियों के लिए हिंदी दिवस और ध्यान पर दो विशेष चर्चा सत्र हुआ। यह जानकारी विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने दी।





## PIONEER

# संस्कृति ही नहीं अपितु सर्वांगीणता की परिचायक है मातृभाषा हिंदी

**वाईएमसीए के  
इंडवशन प्रोग्राम में  
हिंदी दिवस एवं ध्यान  
पर दो विशेष चर्चा  
सत्र आयोजित**

**प्रायनिधर समाचार सेवा। फरीदाबाद**

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के फ्रैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज द्वारा पत्रकारिता एवं जनसंचार विज्ञान कम्प्युनिकेशन एंड मल्टीमीडिया व सोशल वर्क के विद्यार्थियों के लिए इंडवशन प्रोग्राम में हिंदी दिवस एवं ध्यान पर दो

विशेष चर्चा सत्र आयोजित किये गए। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया कि 14 सितंबर को दो विशेष सत्रों का आयोजन किया गया।

ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित सत्र में विख्यात योग और ध्यान प्रशिक्षक पुनम गुलिया तथा हिंदी दिवस पर आयोजित मीडिया का हिंदी और हिंदी का मीडिया सत्र में वरिष्ठ लेखक और पत्रकार दिनेश पाठक मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। दिन के पहले सत्र में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विख्यात योग और ध्यान प्रशिक्षक पुनम गुलिया ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तर पर कार्य करना होगा। यह



दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। एक भी स्वास्थ्य अगर गड़बड़ हुआ तो इसका दुष्प्रभाव दूसरे पर साफ दिखाई देता है।

वर्तमान समय में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य तब और भी आवश्यक होता है, जब हमें कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, तनावपूर्ण स्थितियों से निपटना पड़ता है और

अपने आस-पास के वातावरण में स्वयं को डालना होता है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी से जुड़े रहें और अपने आप को अलग न समझें, पॉजिटिव सोचें, शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, पर्याप्त नींद लें और समय पर सोएं तथा समय से जागें, हेल्दी डाइट लें खास कर मूड को बेहतर बनाने वाली चीजों को खाएं तथा

व्यायाम और योग करें। हिंदी दिवस पर आयोजित मीडिया का हिंदी और हिंदी का मीडिया सत्र में वरिष्ठ लेखक और पत्रकार दिनेश पाठक ने कहा कि हिंदी और भारतीय संस्कृति का एक अटूट संबंध है। यदि हम इस संबंध को और सशक्त करना चाहते हैं तो हमें मातृभाषा की महत्त्व समझनी ही होगी। उसके महत्व को समझकर ही हम अपनी सभ्यता और संस्कृति के साथ न्याय करने में भी सक्षम हो सकेंगे। वर्तमान मीडिया भी यही बखूबी समझती है। नित नए होने वाले तकनीकी विकास भी हिंदी के बढ़ते वर्चस्व का इशारा करते हैं। जितने सभी वेबसाइट पोर्टल या एप्लीकेशन हैं वो भी हिंदी को लिखने समझने की तकनीक को आसान कर रहे हैं।



## AMAR UJALA

# जेसी बोस में योग और ध्यान पर विशेष चर्चा हिंदी दिवस पर कार्यक्रम हुआ आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पर विशेष चर्चा सत्र में योग और ध्यान पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्यवक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पाठक व पूनम गुलिया मौजूद रहीं।

योग और ध्यान प्रशिक्षक पूनम गुलिया ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक और मानसिक स्तर पर कार्य करना होगा। यह दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। अगर स्वास्थ्य गड़बड़ हुआ तो इसका दुष्प्रभाव दूसरे पर साफ दिखाई देता है। समीप में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य तब और भी आवश्यक होता है, जब हमें

पूनम गुलिया ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक और मानसिक स्तर पर कार्य करें

कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। इसलिए हमें योग और ध्यान को अपनाना चाहिए।

स्थितियों से निपटना पड़ता है और अपने आसपास के वातावरण में स्वयं को ढालना होता है। इसलिए जरूरी है कि सकारात्मक सोचें, शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, पर्याप्त नींद लें व योग करें। वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पाठक ने कहा कि हिंदी और भारतीय संस्कृति का एक अटूट संबंध है। यदि हम इस संबंध को और सशक्त करना चाहते हैं तो हमें मातृभाषा की महत्ता समझनी ही होगी।